29/04/2024

शामिल विषय (TOPICS COVERED)

1. एनएचआरसी मान्यता स्थिति 2023 में रोके जाने के बाद इस सप्ताह समीक्षा परीक्षण का सामना कर रही है (GS PAPER II: वैधानिक निकाय)
2. चीन से भारत का आयात बढ़कर 101 अरब डॉलर हो गया जबकि निर्यात स्थिर हो गया। (GS PAPER III: अर्थव्यवस्था, भारत-चीन संबंध)
3. प्रतिचक्रवात, जो अब भी भारत पर मंडरा रहे हैं, वार्मिंग को गर्मी से जोड़ते हैं (29 अप्रैल) (GS PAPER I: भूगोल, GS PAPER III: पर्यावरण)
4. दहन: ईंधन का एक प्रश्न (29 अप्रैल) (GS PAPER III: बुनियादी विज्ञान)
5. इज़राइल-ईरान संकट का त्रि-आयामी दृश्य (29 अप्रैल) (GS PAPER II: आईआर)
6. असमानता को अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता (29 अप्रैल) (GS PAPER III: असमानता)
7. हरित विकास की ओर: आरबीआई और हरित वर्गीकरण पर (GS PAPER III: अर्थव्यवस्था और पर्यावरण)
8. घोषणापत्रों में प्रवासियों के लिए जगह बनाना (29 अप्रैल) (GS PAPER II: समाज का कमजोर वर्ग)
9. वाहक विमानन का महत्व (29 अप्रैल) (GS PAPER III: रक्षा)

PatrioticIAS

प्रतिचक्रवात, जो अब भी भारत पर मंडरा रहे हैं, वार्मिंग को गर्मी से जोड़ते हैं (29 अप्रैल) (GS PAPER I: भूगोल, GS PAPER III: पर्यावरण)

2023 की रिकॉर्ड वार्मिंग को अब तक पूरी तरह से स्पष्ट नहीं किया गया है क्योंकि ग्लोबल वार्मिंग पर अल नीनो के सुपरपोजिशन के कारण यह अपेक्षा से कहीं अधिक गर्म थी। लेकिन IEJ पर प्री-मॉनसून समाप्ति के दौरान अल नीनो का प्रभाव एक मजबूत और अधिक लगातार एंटीसाइक्लोन का उत्पादन करता है और इस प्रकार लंबे समय तक चलने वाली और तीव्र गर्मी की लहरें पैदा करता है।

इंडियन ईस्टर्नली जेट (आईईजे)

- एक मजबूत ऊपरी-स्तरीय पवन पैटर्न जो भारतीय उपमहाद्वीप पर विकसित होता है।
- यह प्री-मॉनसून सीज़न के दौरान होता है, आमतौर पर अप्रैल और मई में।
- 10 डिग्री उत्तरी अक्षांश के आसपास अरब सागर, प्रायद्वीपीय भारत और बंगाल की खाड़ी तक फैला हुआ है।
- **पूर्व** से पश्चिम की ओर बहने वाली तेज़ पूर्वी हवाएँ हैं ।
- मौसम के मिजाज को प्रभावित करता है, जिसमें मानसूनी बारिश की शुरुआत और गर्मी की लहरों और एंटीसाइक्लोन का निर्माण शामिल है।
- उन्नत मॉडल और अवलोकन डेटा का उपयोग करके भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) जैसी मौसम विज्ञान एजेंसियों द्वारा निगरानी और भविष्यवाणी की जाती है।
    - ग्लोबल वार्मिंग की स्थानीय अभिव्यक्तियाँ वैश्विक मॉडलिंग लेकिन स्थानीय भविष्यवाणियों की आवश्यकता को रेखांकित करती हैं।
    - 2023 का घटता अल नीनो वैश्विक स्तर पर अपेक्षित गर्म तापमान लेकर आएगा, मार्च में पाकिस्तान से लेकर भारत और पश्चिम बंगाल तक ठंडा तापमान फैल जाएगा।
    - ग्लोबल वार्मिंग के बावजूद, 2023 में पूरे भारत में एक ठंडा बैंड बना रहा।
    - भारत में गर्मी की लहरें चिंता का विषय हैं, खासकर आम चुनावों के दौरान।
    - लगातार परिसंचरण पैटर्न गर्मी की लहरों में योगदान करते हैं, जिसके लिए बेहतर पूर्वानुमान विधियों की आवश्यकता होती है।
    - उत्तर हिंद महासागर पर प्रतिचक्रवात परिसंचरण के कारण मार्च में ओडिशा में असामान्य वर्षा हुई।
    - एंटीसाइक्लोन में दक्षिणावर्त हवाएँ होती हैं, जिसमें डूबती हुई हवा उच्च दबाव वाले ताप गुंबद बनाती है, जो गर्मी की लहरों की व्याख्या करती है।
    - 17 अप्रैल को दुबई में ऐतिहासिक बाढ़ में एंटीसाइक्लोनिक सर्कुलेशन ने भी योगदान दिया।
    - उत्तर हिंद महासागर और भारतीय उपमहाद्वीप पर प्रतिचक्रवात बने रहते हैं।

प्रतिचक्रवातों को ऊष्मा से क्या जोड़ता है?

- प्री-मॉनसून सीज़न के दौरान, ऊपरी स्तर का भारतीय ईस्टरली जेट (IEJ) लगभग 10 डिग्री उत्तरी अक्षांश पर बनता है, जो अरब सागर, प्रायद्वीपीय भारत और बंगाल की खाड़ी तक फैला हुआ है।
- एक मजबूत पश्चिमी जेट आगे उत्तर में 30 डिग्री उत्तर के आसपास मौजूद है, और जब वे संयुक्त होते हैं, तो वे हिंद महासागर और भारतीय उपमहाद्वीप पर एक प्रतिचक्रवाती पैटर्न उत्पन्न कर सकते हैं।
- पूर्वी जेट पूर्व से तेज हवाएं लेकर आते हैं, जबकि पश्चिमी जेट पश्चिम से आते हैं, और ये प्राकृतिक मौसमी विशेषताएं हैं।
- मानसून के मौसम में पश्चिमी जेट उत्तर की ओर बढ़ता है, जिससे IEJ को भारतीय उपमहाद्वीप पर हावी होने का मौका मिलता है।
- मानसून-पूर्व मौसम के दौरान, एक मजबूत प्रतिचक्रवात भारत के कई भागों में शुष्क और गर्म मौसम ला सकता है, जबकि एक कमजोर प्रतिचक्रवात के परिणामस्वरूप मौसम हल्का हो सकता है।
- मुख्य प्रश्न यह है कि क्या इस वर्ष प्रतिचक्रवात की ताकत ग्लोबल वार्मिंग और गर्म लहरों की घटना से संबंधित है।

ऊष्मा तरंगें कैसे बढ़ती हैं?

- भारत में प्री-मॉनसून सीज़न गर्मी का पर्याय है और इस दौरान लू चलने की आशंका रहती है।
- गर्मी की लहरों के लिए सटीक भविष्यवाणी और प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियाँ जीवन बचाने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

PatriotIAS

- ताप तरंगों की अवधि, तीव्रता और आवृत्ति को प्रभावित करने वाले अंतर्निहित कारकों को समझने से ताप तरंग हॉटस्पॉट की पहचान करने में मदद मिलती है।
- 2023 में देखी गई रिकॉर्ड वार्मिंग को अभी तक पूरी तरह से समझाया नहीं गया है, क्योंकि यह पूरी तरह से ग्लोबल वार्मिंग पर अल नीनो के सुपरपोजिशन के आधार पर अपेक्षाओं से अधिक थी।
- **प्री-मॉनसून सीज़न के दौरान अल नीनो के कमजोर होने से भारतीय ईस्टरली जेट (IEJ) मजबूत हो जाता है, जिससे एक मजबूत और अधिक लगातार एंटीसाइक्लोन बनता है** , जिसके परिणामस्वरूप लंबी और अधिक तीव्र गर्मी की लहरें पैदा होती हैं।
- इसलिए, इस वर्ष गर्मी की लहर का मौसम अल नीनो के कारण गर्म तापमान और 2023 में देखे गए अस्पष्टीकृत वार्मिंग के अतिरिक्त प्रभाव को माना जाता है।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग की सटीक भविष्यवाणियों के लिए एक मजबूत और लगातार एंटीसाइक्लोन के साथ-साथ एक शांत पृष्ठभूमि स्थिति की उपस्थिति महत्वपूर्ण है, जो प्रभावी प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों के विकास को सक्षम बनाती है।

प्रारंभिक चेतावनियों के चरण

- चरम मौसम की घटनाओं के लिए सटीक पूर्व-चेतावनी प्रणाली तीन-चरणीय दृष्टिकोण का उपयोग करती है जिसे 'रेडी-सेट-गो' प्रणाली के रूप में जाना जाता है।
- यह दृष्टिकोण विश्व मौसम विज्ञान संगठन के तहत विश्व जलवायु अनुसंधान कार्यक्रम द्वारा शुरू की गई 'सबसीजनल-टू-सीजनल भविष्यवाणियों' परियोजना का हिस्सा है।
- भारत इस परियोजना में सक्रिय रूप से शामिल है और पूर्वानुमानों की सटीकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण प्रगति की है।
- 'तैयार' कदम में ग्लोबल वार्मिंग और अल नीनो जैसे पृष्ठभूमि कारकों के आधार पर एक मौसमी दृष्टिकोण प्रदान करना शामिल है, जिससे आपदा प्रतिक्रिया प्रणालियों को तदनुसार तैयार करने की अनुमति मिलती है।
- उप-मौसमी भविष्यवाणियाँ दो से चार सप्ताहों को कवर करती हैं, जो 'निर्धारित' चरण में योगदान करती हैं, जिसमें संसाधन आवंटन और आपदा तैयारियों के लिए संभावित हॉटस्पॉट की पहचान करना शामिल है।
- 'गो' चरण बचाव प्रयासों, जलयोजन केंद्रों और ताप आश्रयों सहित आपदा प्रबंधन उपायों को लागू करने के लिए लघु- (दिन 1-3) और मध्यम- (दिन 3-10) श्रेणी के पूर्वानुमानों का उपयोग करता है।

तैयारी और पुनर्प्राप्ति

- भारत की पूर्वानुमान प्रणाली और प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों में लगातार सुधार हुआ है।
- राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी (एनडीएमए) ने इन प्रगतियों को अपनी 'रेडी-सेट-गो' प्रणाली में प्रभावी ढंग से एकीकृत किया है।
- अब मुख्य चुनौती भारत भर में हर स्थान पर मौसम प्रक्षेपवक्र की सटीक भविष्यवाणी करके भविष्य के लिए लचीलापन बढ़ाना है।
- 10-वर्षीय समय-सीमा पर मौसम के मिजाज की भविष्यवाणी करने के प्रयासों ने आशाजनक प्रदर्शन किया है, लेकिन इसमें और विकास की आवश्यकता है।
- राष्ट्रीय स्तर से लेकर पड़ोस के स्तर तक समन्वय स्थापित किया जा रहा है और दिनों से लेकर एक दशक तक की प्रारंभिक चेतावनियों का प्रावधान किया जा रहा है।

PatriotIAS

- निरंतर सफलता सुनिश्चित करने के लिए सरकारों, विभागों और आम जनता का प्रशिक्षण और जुड़ाव आवश्यक है।
- सतत आर्थिक विकास के लिए भारत की आकांक्षाएं इन प्रयासों की प्रभावशीलता पर निर्भर हैं।

दहन: ईंधन का एक प्रश्न (29 अप्रैल) (GS PAPER III: बुनियादी विज्ञान)

आंतरिक जलन ऊजाएं :

- परिभाषा: पेट्रोलियम जैसे जीवाश्म ईंधन को जलाकर कारों और मोटरसाइकिलों जैसे वाहनों को शक्ति प्रदान करना।
- कार्य: वाहनों को चलाने के लिए ईंधन से रासायनिक ऊर्जा को यांत्रिक ऊर्जा में परिवर्तित करना।
- दहन प्रक्रिया: इसमें रेडॉक्स नामक एक रासायनिक प्रतिक्रिया शामिल होती है, जहां एक पदार्थ इलेक्ट्रॉन (ऑक्सीडेंट) खो देता है और दूसरा उन्हें (रिडक्टेंट) प्राप्त कर लेता है।
- ऊर्जा विमोचन: सभी दहन प्रतिक्रियाओं से ऊर्जा निकलती है, जो अक्सर गर्मी पैदा करती है जो ईंधन को वाष्पीकृत कर सकती है और लौ पैदा कर सकती है।
- उत्सर्जन: **दहन से धुआं भी निकलता है, जो अत्यधिक ऑक्सीकृत पदार्थ का एक गैसीय मिश्रण है, जो वायु प्रदूषण में योगदान देता है।**

प्रभाव :

- **पर्यावरणीय प्रभाव** : ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के कारण ग्लोबल वार्मिंग में जीवाश्म ईंधन का दहन एक महत्वपूर्ण योगदानकर्ता है।
- **दहन का अध्ययन** : दहन विज्ञान, दहन प्रतिक्रियाओं को समझने पर केंद्रित विज्ञान की एक शाखा है।
- **अनुसंधान** : दहन वैज्ञानिक अंतरिक्ष सहित विभिन्न वातावरणों में अध्ययन करके दहन प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित करने और स्वच्छ प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के तरीकों का पता लगाते हैं।

इज़राइल-ईरान संकट का त्रि-आयामी दृश्य (29 अप्रैल) (GS PAPER II: आईआर)

वर्षों से, ईरान ने इज़राइल के साथ अपने छाया युद्ध में रणनीतिक धैर्य दिखाया है, लेकिन दमिश्क में तेल अवीव की बमबारी ने तेहरान की सोच को बदल दिया है

PatriotICAS

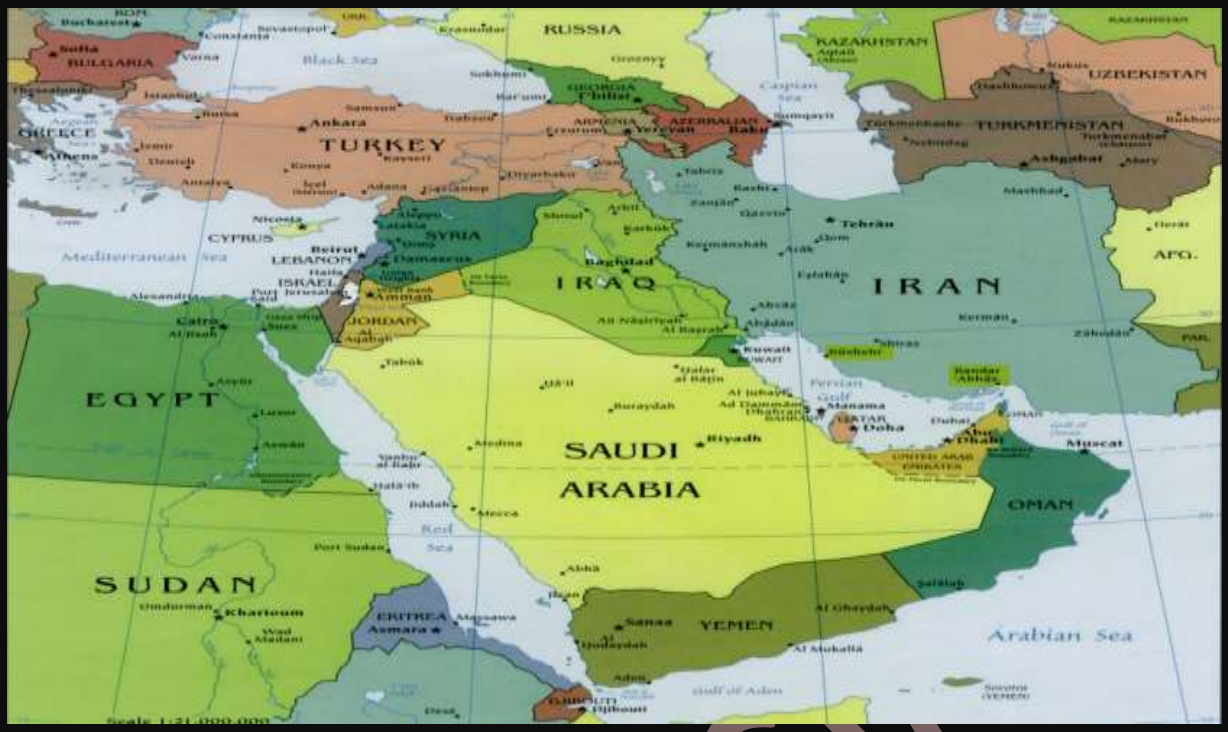

- इज़राइल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने **मार्च 2018 के एक साक्षात्कार में ईरान को इज़राइल के लिए सबसे बड़े खतरे के रूप में पहचाना।**
- नेतन्याहू ओबामा प्रशासन द्वारा मध्यस्थ 2015 ईरान परमाणु समझौते के विरोध में मुखर रहे हैं।
- **नेतन्याहू के कार्यकाल के दौरान 14 अप्रैल को ईरान ने इज़राइल पर एक महत्वपूर्ण हमला किया, जो तीन दशकों में किसी राज्य अभिनेता द्वारा किया गया पहला ऐसा हमला था।**
- हमले ने इज़राइल की प्रतिरोधक क्षमता को चुनौती दी और सुरक्षा के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका पर उसकी निर्भरता को उजागर किया।
- हमले के बावजूद, संयुक्त राज्य अमेरिका ने इज़राइल की प्रतिक्रिया पर रोक लगा दी, जिससे इज़राइल की कथित कमजोर प्रतिक्रिया की आलोचना हुई।
- यह घटना ईरान की बढ़ती जोखिम उठाने की इच्छा और अस्थिर पश्चिम एशिया क्षेत्र में जटिल गतिशीलता को रेखांकित करती है।

बिडेन सिद्धांत

- बिडेन प्रशासन का उद्देश्य इज़राइल-हमास संघर्ष को एक बड़े क्षेत्रीय युद्ध में बढ़ने से रोकना था।
- **राष्ट्रपति बिडेन ने गाजा में इजरायल के सैन्य अभियान का समर्थन किया लेकिन इजरायल और उसके पड़ोसियों के बीच तनाव कम करने के लिए कूटनीतिक रूप से भी काम किया।**
- चुनौतियाँ उत्पन्न हुईं क्योंकि अमेरिका का ईरान पर सीमित प्रभाव था, और इज़राइल गाजा में हमास और क्षेत्र में ईरानी प्रभाव दोनों का मुकाबला कर रहा था।
- इज़राइल द्वारा दमिश्क में ईरानी दूतावास परिसर पर बमबारी से इज़राइल-ईरान टकराव का खतरा बढ़ गया।
- अमेरिका को ईरानी प्रतिशोध की आशंका थी और तनाव बढ़ने से रोकने के लिए उसने ईरानी प्रक्षेप्यों को रोकने के लिए कदम उठाए।
- **राष्ट्रपति बिडेन ने प्रधान मंत्री नेतन्याहू को सूचित किया कि अमेरिका ईरान के खिलाफ किसी भी इजरायली जवाबी कार्रवाई में भाग नहीं लेगा, जो तनाव कम करने की इच्छा का संकेत है।**

Patriotic

नेतन्याहू की दुविधा

- **छाया युद्ध में** उलझे हुए हैं वर्षों से, इज़राइल ने ईरानी हितों को निशाना बनाकर कई हवाई हमले किए हैं।
- **इज़राइल ने नवंबर 2020 में एक वरिष्ठ परमाणु वैज्ञानिक की हत्या सहित ईरान के अंदर भी कार्रवाई की है।**
- इज़राइल की इन कार्रवाइयों को ईरान द्वारा अपेक्षाकृत चुनौती नहीं दी गई है, जिसने इज़राइल को अपने अभियान जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया है।
- 7 अक्टूबर को तनाव बढ़ने के बाद, इज़राइल ने सीरिया में वरिष्ठ ईरानी हस्तियों को निशाना बनाकर अपना छाया युद्ध तेज कर दिया, जिसके बाद ईरान की ओर से धीमी प्रतिक्रिया आई।
- ईरान के ख़िलाफ़ ज़बरदस्त जवाबी कार्रवाई के आह्वान के बावजूद, इज़रायली प्रतिशोध के लिए अमेरिकी समर्थन की कमी के कारण इज़रायली प्रधान मंत्री नेतन्याहू को सीमाओं का सामना करना पड़ा।
- नेतन्याहू ने ईरान के अंदर एक प्रतीकात्मक हमले का विकल्प चुना, जिसमें एक रडार प्रणाली को निशाना बनाया गया, जिसे इजरायली दृष्टिकोण से एक कमजोर प्रतिक्रिया के रूप में देखा गया लेकिन ईरान के साथ आगे बढ़ने से बचा लिया गया।
- इज़राइल के प्रतिशोध प्रयासों में शामिल नहीं होने के बिडेन प्रशासन के रुख ने क्षेत्रीय युद्ध को रोकने में मदद की लेकिन इज़राइल द्वारा इसे एक बाधा के रूप में माना गया।

अयातुल्ला की गणना

- **ईरान-इज़राइल छाया युद्ध** :
    - ईरान और इज़राइल वर्षों से एक छाया युद्ध में लगे हुए हैं, जिसमें गुप्त अभियान और हवाई हमले एक-दूसरे के हितों को लक्षित करते हैं।
    - इज़राइल ने सीरिया में ईरानी संपत्तियों को निशाना बनाकर 400 से अधिक हवाई हमले किए हैं, जिनमें ईरान के अंदर किए गए ऑपरेशन भी शामिल हैं।
    - वरिष्ठ अधिकारियों और वैज्ञानिकों को खोने के बावजूद, क्षेत्र और उसके परमाणु कार्यक्रम में ईरान का प्रभाव काफी हद तक बरकरार है।
- **ईरान की रणनीति में बदलाव** :
    - ऐसा प्रतीत होता है कि दमिश्क में ईरानी दूतावास परिसर पर इज़राइल की बमबारी ने ईरान की रणनीति में बदलाव को प्रेरित किया है।
    - ईरान ने ईरानी अधिकारियों पर लगातार हमलों की कीमत इजराइल पर थोपने का फैसला किया है।
- **ईरान की रणनीति में बदलाव को प्रभावित करने वाले कारक** :
    - **रूस और चीन के साथ रणनीतिक संबंधों में सुधार, यूक्रेन में संघर्ष के लिए ईरान रूस को ड्रोन की आपूर्ति कर रहा है।**
    - आकलन है कि अमेरिका को मध्य पूर्व में लंबे समय तक युद्ध करने की इच्छा कम है, खासकर चीन और रूस से मिल रही चुनौतियों के बीच।

PatriotiAS

- **इज़राइल के गाजा आक्रमण का प्रभाव:**
    - गाजा में हमास के खिलाफ छह महीने तक चला इजराइल का आक्रमण अपने उद्देश्यों को पूरा करने में विफल रहा है।
    - इस हमले के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा हुई और इजराइल के खिलाफ नरसंहार के आरोप लगे।
- **ईरान का परिकलित जोखिम** :
    - इजराइल पर खुले तौर पर हमला करने का ईरान का निर्णय बदलती क्षेत्रीय गतिशीलता और कमजोर इजराइली स्थिति के उसके आकलन को दर्शाता है।
    - अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जॉर्डन और इज़राइल के सामूहिक रक्षा प्रयासों के बावजूद, कुछ ईरानी मिसाइलें अभी भी इज़राइल पर गिरीं, जो ईरान की बढ़ती निर्भीकता को उजागर करती हैं।
- **ईरानी हमलों का पैटर्न** :
    - ईरान ने पहले इराक में सऊदी तेल सुविधाओं और अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है, जिसके न्यूनतम परिणाम भुगतने पड़े हैं।
    - इज़राइल पर हालिया हमला ईरान की महत्वपूर्ण नतीजों के बिना तनाव बढ़ाने की इच्छा को दर्शाता है।
- **पश्चिम एशिया पर प्रभाव** :
    - ईरान की कार्रवाई क्षेत्रीय स्थिरता और सुरक्षा पर संभावित प्रभाव के साथ क्षेत्र के रणनीतिक परिदृश्य में बदलाव का संकेत देती है।

असमानता को अब नजरअंदाज नहीं किया जा सकता (29 अप्रैल) (GS PAPER III: असमानता)

असमानता को संबोधित करने का मतलब विकास की प्रकृति पर सवाल उठाना भी है - जो अब असमान है - और यह सुनिश्चित करना कि नौकरियां पैदा हों

- कांग्रेस पार्टी के चुनाव घोषणा पत्र, न्याय पत्र ने असमानता और धन संकेंद्रण पर बहस छेड़ दी है।
- घोषणापत्र पर प्रधान मंत्री की टिप्पणियों ने धन पुनर्वितरण पर भी चर्चा छेड़ दी है।
- विश्व असमानता डेटाबेस में पाया गया कि भारत में असमानता बढ़ रही है, साक्ष्य से पता चलता है कि **2022-23 में राष्ट्रीय आय का 22.6% शीर्ष 1% में चला गया, जो 1922 के बाद से सबसे अधिक है।**
- **धन असमानता और भी अधिक स्पष्ट है, शीर्ष 1% लोगों के पास देश की 40.1% संपत्ति है।**
- यह स्पष्ट है कि आर्थिक विकास के उपोत्पाद के रूप में असमानता को अब नज़रअंदाज़ या उचित नहीं ठहराया जा सकता है।
- ऐसी असमान वृद्धि की लागत की जांच और समाधान करने की आवश्यकता है।

चुनावी मुद्दे के रूप में स्वागत योग्य है

PatioticIAS

- **उस अनुचितता के बारे में जागरूकता बढ़ रही है जहां कुछ व्यक्ति और निगम फलते-फूलते हैं जबकि अधिकांश आबादी अच्छे रोजगार के लिए संघर्ष करती है।**
- रोजगार सृजन और समृद्धि को प्रोत्साहित करने के लिए 'धन रचनाकारों' का समर्थन करने का विचार न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में बार-बार विफल रहा है।
- लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए पूरी तरह से आर्थिक विकास पर निर्भर रहना, भले ही इससे असमानता बढ़ती हो, विश्व स्तर पर सवाल उठाए जा रहे हैं।
- 2024 में चुनाव परिणाम चाहे जो भी हों, भारत में चुनावी विषय के रूप में इस मुद्दे का उभरना उल्लेखनीय है।
- सार्वजनिक चर्चा, विशेष रूप से सोशल मीडिया पर, बड़े पैमाने पर **अमीरों पर कर लगाने और गरीबों को सब्सिडी देने जैसे प्रत्यक्ष पुनर्वितरण उपायों पर केंद्रित है** , जो भारत में प्रासंगिक हैं।
- **अन्य मध्यम आय वाले देशों की तुलना में भारत में कर-जीडीपी अनुपात कम है , कर राजस्व में अप्रत्यक्ष करों का बड़ा योगदान है।**
- यहां तक कि भारत में प्रत्यक्ष कर भी बहुत प्रगतिशील नहीं हैं, कर से पहले ₹500 करोड़ से अधिक लाभ कमाने वाली कंपनियों को छोटी कंपनियों की तुलना में कम प्रभावी कर दर का सामना करना पड़ता है।

कल्याण व्यय कम है

- **भारत में कल्याण और सामाजिक क्षेत्रों पर सार्वजनिक खर्च अन्य देशों की तुलना में काफी कम है।**
- उदाहरण के लिए, **स्वास्थ्य पर खर्च सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 1.3% है, जो 2025 तक राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति के सकल घरेलू उत्पाद के 2.5% के लक्ष्य से कम है।**
- COVID-19 के प्रभाव के बावजूद, स्वास्थ्य व्यय में उल्लेखनीय वृद्धि नहीं हुई है, जिससे NHP लक्ष्य को प्राप्त करना असंभव है।
- **अन्य प्रमुख बजट आबंटन, जैसे मनरेगा और शिक्षा के लिए, कुल व्यय या सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में गिरावट दर्शाते हैं।**
- **है, साथ ही गरीबों के जीवन को सीधे प्रभावित करने वाले क्षेत्रों पर व्यय बढ़ाने की भी आवश्यकता है।**
- असमानता को दूर करने में विकास की प्रकृति, विशेषकर रोजगार सृजन की उसकी क्षमता पर प्रश्न उठाना भी शामिल है।
- भारत में हालिया विकास के साथ-साथ बेरोजगारी, **रोजगार लोच में गिरावट, लाभ में वृद्धि, तथा वास्तविक मजदूरी में स्थिरता भी देखी गई है।**
- ध्यान **केवल स्वरोजगार को बढ़ावा देने के बजाय पर्याप्त पारिश्रमिक के साथ अच्छे रोजगार के अवसर पैदा करने पर होना चाहिए।**
- न्यायसंगत विकास, जहां लोगों की क्रय शक्ति बढ़ती है, नरेगा और सार्वजनिक वितरण प्रणाली जैसे कार्यक्रमों पर सरकारी खर्च के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है।
- कांग्रेस घोषणापत्र में प्रस्तावित महालक्ष्मी योजना जैसी नकद हस्तांतरण योजनाएं भी समान विकास में योगदान दे सकती हैं।

रोज़गार निर्माण

- **सरकारें मौजूदा रिक्तियों को भरकर और स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण और सामाजिक सुरक्षा में सार्वजनिक सेवाओं का विस्तार करके नौकरियां पैदा कर सकती हैं।**

PatioIAS

- **आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं जैसे फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं के लिए नौकरियों की गुणवत्ता में सुधार करना आवश्यक है, जिसमें बेहतर वेतन और काम करने की स्थिति भी शामिल है।**
- प्रत्यक्ष रोजगार सृजन प्रयास रोजगार के अवसरों को बढ़ा सकते हैं, खासकर महिलाओं के लिए, और मानव विकास परिणामों में सुधार कर सकते हैं।
- **सार्वजनिक सेवाओं में निवेश करने से महिलाओं पर अवैतनिक देखभाल कार्य का बोझ कम हो सकता है और उन्हें रोजगार के अन्य अवसरों को आगे बढ़ाने में सक्षम बनाया जा सकता है।**
- **अवसरों में असमानता और अंतर-पीढ़ीगत असमानता को संबोधित करना** बचपन के दौरान प्री-स्कूल शिक्षा और पोषण जैसी सेवाओं तक समान पहुंच की आवश्यकता है।
- **रोजगार-केंद्रित विकास रणनीति को श्रम-गहन छोटे और मध्यम उद्यमों का समर्थन करना चाहिए और कौशल प्रशिक्षण और मानव पूंजी विकास को बढ़ावा देना चाहिए।**
- **मातृत्व अधिकार, शिशु देखभाल सहायता, परिवहन और किफायती आवास जैसे उपाय श्रम बाजार में महिलाओं की भागीदारी को सुविधाजनक बना सकते हैं।**
- असमानता से निपटने के लिए रोजगार के मुद्दे को संबोधित करना महत्वपूर्ण है, जब तक विकास कुछ लोगों के लिए मुनाफे को प्राथमिकता देता है, रोजगार चुनौतियां बनी रहेंगी।

PatriotiCIAS

मतदान प्रतिशत और उथल-पुथल: दूसरे चरण में मतदान प्रतिशत और चुनावी बयानबाजी (29 अप्रैल)

2019 के चुनाव की तुलना में अधिकांश राज्यों में मतदान प्रतिशत कम रहा है

- **मतदान का प्रमाण** :
    - पूर्व और उत्तर पूर्व भारत में उच्च।
    - बिहार, उत्तर प्रदेश, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान में कम।
- **मतदान के संभावित कारण** :
    - लू-लहर की स्थिति.
    - 2019 की तुलना में मतदाता प्रेरणा में कमी।
- **बीजेपी के लिए महत्व** :
    - कम मतदान चिंताजनक हो सकता है.
    - **ऐतिहासिक रूप से, उच्च मतदान सत्ता विरोधी लहर का संकेत देता है।**
- **अभियान रणनीतियाँ** :
    - पीएम मोदी ने सांप्रदायिक बयानबाजी की.
    - सामाजिक न्याय और कल्याण पर कांग्रेस के घोषणापत्र की आलोचना की।
- **ऐतिहासिक संदर्भ** :

- कांग्रेस ने मंडल राजनीति के कारण अपना आधार खो दिया, भाजपा ने ओबीसी असंतोष का फायदा उठाया।
- कांग्रेस मंडल पार्टियों के साथ गठबंधन के माध्यम से पुनरुद्धार चाहती है।

- **चुनाव परिणाम** :
  - भाजपा की बयानबाजी बनाम बेहतर आजीविका की उम्मीदों के प्रति मतदाताओं की प्रतिक्रिया, नतीजों को प्रभावित करेगी।

हरित विकास की ओर: आरबीआई और हरित वर्गीकरण पर (GS PAPER III: अर्थव्यवस्था और पर्यावरण)

आरबीआई को आर्थिक स्थिरता पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का आकलन करना चाहिए

- **प्राकृतिक ब्याज दरों को** प्रभावित करने वाली चरम मौसम संबंधी घटनाओं और जलवायु झटकों पर प्रकाश डाला गया है ।
- यह 2050 तक संभावित **9% दीर्घकालिक उत्पादन हानि की चेतावनी देता है** जलवायु शमन नीतियों के बिना।
- आरबीआई ने जुलाई 2022 से हरित अर्थव्यवस्था में परिवर्तन को संबोधित करने में वृद्धिशील प्रगति की है।
- यह **2070 तक शुद्ध शून्य महत्वाकांक्षाओं को प्राप्त करने के लिए भारत की $17 ट्रिलियन से अधिक की आवश्यकता को स्वीकार करता है।**
- आरबीआई का लक्ष्य **हरित वर्गीकरण ढांचा विकसित करना है** स्थिरता संबंधी साख का आकलन करने के लिए आसियान क्षेत्र के समान।
- पहल में **₹16,000 करोड़ सॉवरेन ग्रीन बांड जारी करना शामिल है** और विदेशी संस्थागत निवेशकों को हरित सरकारी प्रतिभूतियों में भाग लेने की अनुमति देना।
- **आरबीआई अर्थव्यवस्था और वित्तीय स्थिरता पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का गहन मूल्यांकन करने का आग्रह करता है।**
- यह भारत के विकासात्मक प्रक्षेपपथों को प्रतिबिंबित करने वाली एक स्तरित हरित वर्गीकरण विकसित करने के लिए प्रशासनिक परामर्श को प्रोत्साहित करता है।
- लक्ष्य स्थायी भविष्य की ओर बढ़ने के दौरान वित्तीय प्रणाली में संक्रमणकालीन जोखिमों को कम करना है।

घोषणापत्रों में प्रवासियों के लिए जगह बनाना (29 अप्रैल) (GS PAPER II: समाज का कमजोर वर्ग)

जबकि भाजपा और कांग्रेस दोनों ने अपने-अपने घोषणापत्र में प्रवासियों से वादे किए हैं, लेकिन उन्होंने कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्रों की अनदेखी की है

PatriotiCIAS

- **चुनावी घोषणापत्र एक सार्वजनिक दस्तावेज़ होता है जो किसी राजनीतिक दल के दृष्टिकोण, इरादों और वादों को रेखांकित करता है।**
- भाजपा और कांग्रेस ने 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए अपने घोषणापत्र में प्रवासियों के लिए चिंता व्यक्त की है।
- कोविड-19 महामारी और उसके बाद के लॉकडाउन ने प्रवासियों की ओर ध्यान आकर्षित किया, जिससे उनकी असुरक्षा और मताधिकार से वंचित होने की स्थिति उजागर हुई।
- भारत में अनुमानित **600 मिलियन आंतरिक प्रवासी हैं** जो अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।
- अपने आर्थिक योगदान के बावजूद, **प्रवासी अत्यधिक असुरक्षित रहते हैं** ।
- प्रवासी आबादी को प्रभावी ढंग से शामिल करने के लिए राजनीतिक दलों द्वारा किए गए वादों की जांच करना महत्वपूर्ण है।

बीजेपी का घोषणापत्र

- बीजेपी के घोषणापत्र, संकल्प पत्र में 'श्रमिक सम्मान के लिए मोदी की गारंटी' के तहत आंतरिक प्रवासियों के लिए वादे किए गए हैं।
- पहला वादा ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत प्रवासी श्रमिकों तक पहुंचना है, जिसका लक्ष्य उन्हें कल्याण कार्यक्रमों में शामिल करना है।
- ई -**श्रम पोर्टल का** उद्देश्य **असंगठित श्रमिकों का एक डेटाबेस बनाना है, लेकिन आधार-सीडिंग और तकनीकी समस्याएं जैसी समस्याएं बनी रहती हैं।**

ई-श्रम पोर्टल

- द्वारा शुरू किए गए ई-श्रम पोर्टल का **उद्देश्य असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों का एक केंद्रीकृत राष्ट्रीय डेटाबेस बनाना है** ।
- यह डेटाबेस सरकार को **सामाजिक सुरक्षा लाभ लक्ष्य करने और वितरित करने में मदद करता है** इस विशाल और अक्सर हाशिए पर रहने वाले कार्यबल के लिए।

प्रमुख विशेषताएं

- **पंजीकरण:** असंगठित श्रमिक अपने आधार नंबर का उपयोग करके पोर्टल पर अपने और अपने व्यवसाय के बारे में बुनियादी विवरण प्रदान करके पंजीकरण कर सकते हैं।
- **ई-श्रम कार्ड: पंजीकरण पर, श्रमिकों को** 12 अंकों के यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) के साथ एक अद्वितीय ई-श्रम कार्ड प्राप्त होता है ।
- **लाभ:** पंजीकृत श्रमिकों को **प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) के तहत दुर्घटना बीमा कवरेज सहित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं और लाभों तक पहुंच प्राप्त होती है।** यह पोर्टल श्रमिकों को नौकरी के अवसरों और कौशल विकास कार्यक्रमों से जोड़ने के लिए एक पुल के रूप में भी कार्य करता है।

पात्रता

- **व्यवसाय:** ई-श्रम पोर्टल असंगठित श्रमिकों जैसे खेतिहर मजदूर, निर्माण श्रमिक, घरेलू कामगार, प्रवासी श्रमिक, गिग श्रमिक, प्लेटफार्म श्रमिक, स्ट्रीट वेंडर आदि को कवर करता है।
- **आयु:** 16-59 **वर्ष की आयु** के बीच का कोई भी असंगठित श्रमिक ।
- **अन्य मानदंड:** श्रमिक ईपीएफओ/ईएसआईसी या आयकरदाता के सदस्य नहीं होने चाहिए।

कैसे पंजीकृत करें

- **स्व-पंजीकरण:** श्रमिक सीधे ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण कर सकते हैं **सामान्य सेवा केंद्र (सीएससी):** श्रमिक सहायता प्राप्त पंजीकरण के लिए अपने निकटतम सीएससी पर जा सकते हैं।
- **राज्य सेवा केंद्र, डाकघर:** चुनिंदा स्थान पंजीकरण की सुविधा प्रदान कर सकते हैं।

ई-श्रम पोर्टल का महत्व

PatrioticIAS

- **असंगठित क्षेत्र के लिए डेटाबेस:** पोर्टल असंगठित श्रमिकों का एक व्यापक, डिजिटलीकृत रिकॉर्ड बनाता है, जिससे बेहतर नीति योजना और कल्याण कार्यक्रम कार्यान्वयन संभव हो पाता है।
- **लाभों की पोर्टेबिलिटी:** यूएएन श्रमिकों को विभिन्न स्थानों पर लाभ प्राप्त करने की अनुमति देता है क्योंकि वे विभिन्न क्षेत्रों और क्षेत्रों में काम करते हैं।
- **सामाजिक सुरक्षा को लक्षित करना:** डेटाबेस सरकार को सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के लिए लाभार्थियों की सटीक पहचान करने में सहायता करता है।
- कई प्रवासी श्रमिकों को ई-श्रम के लाभों के बारे में गलत धारणाएं हैं।
- दूसरा वादा **प्रवासी श्रमिकों के लिए विशेष ट्रेन सेवाओं को बढ़ाने का है, जो साल भर प्रमुख प्रवास गलियारों को जोड़ेगी।**
- घोषणापत्र में **श्रमिकों के लिए न्यूनतम जीवन स्तर सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय न्यूनतम वेतन की समय-समय पर समीक्षा का प्रस्ताव है,** लेकिन आलोचकों को शोषणकारी स्थितियों की चिंता है।
- **क्षेत्रों के लिए अलग-अलग न्यूनतम वेतन अधिक भुगतान वाले क्षेत्रों की ओर प्रवासन को कम कर सकता है।**
- डाकघर बचत, बीमा और सामाजिक सुरक्षा उपायों को डिजिटल प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके लागू किया जाएगा, जिससे डिजिटल विभाजन और पहुंच के बारे में चिंताएं बढ़ जाएंगी।
- घोषणापत्र **में महिलाओं, बच्चों और युवा प्रवासियों के सामने आने वाली अनूठी चुनौतियों की अनदेखी की गई है ।**
- **नीति आयोग द्वारा तैयार राष्ट्रीय प्रवासी श्रम नीति के मसौदे को लागू करने पर वह चुप है।**
- घोषणापत्र **शहर-केंद्रित विकास का समर्थन करता है, जिससे संभावित रूप से शहरों में संकटपूर्ण प्रवासन शुरू हो सकता है।**
- यह **'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का वादा करता है, जो प्रवासी मतदाताओं को मताधिकार से वंचित कर सकता है।**

कांग्रेस के वादे

- कांग्रेस का घोषणापत्र, न्याय पत्र, **प्रवासी श्रमिकों के रोजगार को विनियमित करने, उनके कानूनी अधिकार और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक कानून बनाने का वादा करता है।**
- **यह राशन कार्ड धारकों को अद्यतन करने, पीडीएस कवरेज का विस्तार करने और पीडीएस और एकीकृत बाल विकास सेवा के लिए अधिक धन आवंटित करने का वचन देता है।**
- हालाँकि, **यह पीडीएस पोर्टेबिलिटी पर चुप है।**
- कांग्रेस ने **ग्रामीण प्रवासियों के लिए महत्वपूर्ण मनरेगा मजदूरी को बढ़ाकर ₹400 प्रति दिन करने और लिंग आधारित भेदभाव को रोकने के लिए 'समान काम, समान मजदूरी' सिद्धांत लागू करने का संकल्प लिया है।**
- यह शहरी गरीबों के लिए एक शहरी रोजगार योजना शुरू करने की योजना बना रहा है, जिससे संभावित रूप से शहरी प्रवासियों को लाभ होगा।
- **प्रवासी महिलाओं के लिए पर्याप्त रात्रि आश्रयों और स्वच्छ सार्वजनिक शौचालयों का वादा करते हुए,** महिला कल्याण पर ध्यान केंद्रित किया गया है ।
- प्रवासी महिलाओं के सामने आने वाली विशिष्ट चुनौतियों को संबोधित करने में चूक गई और **अनौपचारिक श्रम बाजार में शोषण और जबरन श्रम की स्थिति जैसे मुद्दों को नजरअंदाज कर दिया गया ।**
- दोनों पार्टियाँ सार्वजनिक स्वास्थ्य, प्रवासी बच्चों के लिए शिक्षा, आवास, पानी, स्वच्छता और कानूनी सहायता जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों की अनदेखी करती हैं।

PatriotICAS

- प्रवासियों और उनके परिवारों के जीवन को प्रभावी ढंग से बेहतर बनाने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति की आवश्यकता पर बल दिया गया है।

वाहक विमानन का महत्व (29 अप्रैल) (GS PAPER III: रक्षा)

आईएनएस विक्रांत (IAC-1)

- **भारत का पहला स्वदेशी विमानवाहक पोत**

आदर्श वाक्य: "जायम सैम युधि स्पृधः" (संस्कृत: मैं उन लोगों को हराता हूं जो मेरे खिलाफ लड़ते हैं)।

मूल जानकारी

- **कमीशन:** 2 सितंबर, 2022 को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा
- **बिल्डर:** कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल), कोच्चि, केरल, भारत
- **प्रकार:** STOBAR (शॉर्ट टेक-ऑफ बट अरेस्टेड रिकवरी) विमान वाहक
- **विस्थापन:** लगभग. 45,000 टन
- **लंबाई:** 262 मीटर
- **बीम:** 62 मीटर
- **गति:** 28 समुद्री मील से अधिक

प्रमुख विशेषताऐं

- **विमान की छोटी उड़ान के लिए स्की जंप**
- **विमान पुनर्प्राप्ति के लिए तीन बन्दी तार**
- **विमानों को रखने के लिए बड़ा हैंगर डेक**
- **शक्तिशाली सेंसर सूट और युद्ध प्रबंधन प्रणाली**

महत्व

- यह भारत की जहाज निर्माण क्षमता और रक्षा विनिर्माण में 'आत्मनिर्भर भारत' की खोज में एक प्रमुख मील का पत्थर है।

- हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में भारत की शक्ति प्रक्षेपण क्षमताओं और समुद्री सुरक्षा को बढ़ाता है।
- यह भारत को दो वाहक युद्ध समूहों को संचालित करने की अनुमति देता है, जिससे नौसेना की ताकत काफी बढ़ जाती है।

- **आईएनएस विक्रांत: स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित**
- कमीशनिंग: सितंबर 2022
- परिचालन: आईएनएस विक्रांत को पूरी तरह से परिचालन में शामिल किया गया
- संगत: अग्रिम पंक्ति के युद्धपोतों और विमानों का बेड़ा वाहकों में शामिल हो गया

आईएनएस विक्रांत का क्या महत्व है?

- स्वदेशी विमान वाहक (आईएसी)-I, जिसे बाद में विक्रांत नाम दिया गया, पर डिजाइन का काम 1999 में शुरू हुआ।
- 2005-2006, युद्धपोत और भारत के युद्धपोत निर्माण के लिए महत्वपूर्ण वर्ष थे।
- भारत में युद्धपोत-ग्रेड स्टील विकसित करने का निर्णय लिया गया, जिसे **डीएमआर-249 स्टील कहा जाता है** ।
- इस्पात विकास के लिए भारतीय इस्पात प्राधिकरण, डीआरडीओ और भारतीय नौसेना का सहयोगात्मक प्रयास।
- डीएमआर-249 स्टील का उपयोग अब भारत में सभी युद्धपोतों के निर्माण में किया जाता है।
- भारत में पहली बार 2002 में 3-डी मॉडलिंग की शुरुआत हुई।
- नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो और सीएसएल के 200 कर्मियों की संयुक्त टीम ने काम शुरू किया।
- 2009 में रखी गई विक्रांत की उलटी, 2013 में पानी में उतारा गया।
- अगस्त 2021 से जुलाई 2022 तक व्यापक उपयोगकर्ता स्वीकृति परीक्षण आयोजित किए गए।
- अंततः विक्रांत को सेवा में नियुक्त कर दिया गया।

आईएनएस विक्रांत की संरचना क्या है?

- विक्रांत एक इंजीनियरिंग चमत्कार है जिसका कुल क्षेत्रफल 12,450 वर्ग मीटर से अधिक है, जो लगभग ढाई हॉकी मैदानों के बराबर है।
- यह 262 मीटर लंबा और 62 मीटर चौड़ा है, जो चार जनरल इलेक्ट्रिक LM2500 इंजनों द्वारा संचालित है जो 88 मेगावाट बिजली पैदा करता है।
- **विक्रांत की अधिकतम गति 28 नॉट और क्षमता 7,500 नॉटिकल मील है।**
- 76% स्वदेशी सामग्री के साथ लगभग ₹20,000 करोड़ की लागत से निर्मित।
- जहाज में लगभग 2,200 डिब्बे हैं और महिला अधिकारियों और नाविकों के लिए विशेष केबिन सहित लगभग 1,600 लोगों के चालक दल को जगह मिलती है।
- विक्रांत में दो गैलियाँ हैं जो प्रतिदिन 4,500-5,000 भोजन तैयार करती हैं, जो स्वचालित चपाती बनाने की मशीनों, बड़े खाना पकाने वाले बॉयलर, कॉम्बी-स्टीमर, डोसा मशीन और ओवन से सुसज्जित हैं।
- जहाज निर्माण में सबसे अधिक रोजगार गुणक (6.48) हैं, विक्रांत में लगभग 500 एमएसएमई, सहायक उद्योगों के 12,000 कर्मचारी और 2,000 सीएसएल कर्मचारी शामिल हैं।

इसकी क्षमताएं क्या हैं?

Patriotic IAS

- **विक्रांत 30 विमानों का एक एयर विंग संचालित कर सकता है, जिसमें मिग-29K फाइटर जेट, कामोव-31 हेलीकॉप्टर, MH-60R मल्टी-रोल हेलीकॉप्टर, एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर और लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (नौसेना) शामिल हैं।**
- यह विमान को लॉन्च करने और पुनर्प्राप्त करने के लिए STOBAR (शॉर्ट टेक-ऑफ लेकिन अरेस्टेड रिकवरी) पद्धति का उपयोग करता है, जो लॉन्चिंग के लिए स्की-जंप और रिकवरी के लिए तीन 'अरेस्टर वायर' से सुसज्जित है।
- लगभग 200 कर्मी उड़ान संचालन, मलबे की सफाई और पायलटों को ब्रीफिंग के लिए फ्लाइट डेक तैयार करते हैं।
- खराब मौसम और रात के संचालन के लिए फ्लाइट डेक में एक स्वतंत्र प्रकाश व्यवस्था है।
- सटीक लैंडिंग के लिए विमान को सुरक्षित रूप से जहाज पर वापस ले जाया जाता है, जिसमें फाइटर गियर तारों का उपयोग करके 2-3 सेकंड में 90 मीटर के भीतर रुक जाते हैं।
- विक्रमादित्य जैसे पिछले वाहकों की तुलना में विक्रांत के पास बड़ा डेक स्थान और हॉलवे है।
- **मिग-29K की कम आपूर्ति के कारण** भारत 26 राफेल-एम वाहक जेट की खरीद के लिए फ्रांस के साथ बातचीत कर रहा है , जबकि एक स्वदेशी ट्विन इंजन डेक-आधारित लड़ाकू विमान का विकास चल रहा है।
- नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार को उम्मीद है कि 2034 तक स्वदेशी लड़ाकू विमान मिल जाएगा।
- **विक्रांत (1961) और आईएनएस विराट (1987) जैसे वाहकों की खरीद और आईएनएस विक्रमादित्य (2013) की खरीद के बाद विक्रांत भारत का पहला घरेलू स्तर पर निर्मित वाहक है।**

विक्रांत के बाद आगे क्या?

- विमान वाहक समुद्र में संचालन की कमान, नियंत्रण और समन्वय और युद्धक शक्ति प्रदर्शित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं।
- हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में भारत की नाजुक समुद्री सुरक्षा स्थिति के लिए मजबूत क्षमताओं वाली एक मजबूत नौसेना की आवश्यकता है।
- दो कैरियर बैटल ग्रुप पश्चिमी और पूर्वी दोनों समुद्री तटों पर विश्वसनीय उपस्थिति और तैयारी को सक्षम बनाते हैं।
- **विक्रांत के समान दूसरे स्वदेशी विमान वाहक (IAC-II) के प्रस्ताव को रक्षा खरीद बोर्ड द्वारा मंजूरी दे दी गई है** ।
- 45,000 टन विस्थापित करने वाला IAC-II, विक्रांत की तुलना में नई प्रौद्योगिकियों और संशोधनों को एकीकृत करेगा।
- सीएसएल द्वारा निर्मित आईएसी-II को बनाने में लगभग आठ से 10 साल लगेंगे।
- तकनीकी जटिलताओं, लागत और समयसीमा के कारण 65,000 टन के बड़े वाहक की योजना को स्थगित कर दिया गया है।
- IAC-II भारत का तीसरा विमानवाहक पोत नहीं है, बल्कि INS विक्रमादित्य के प्रतिस्थापन के रूप में कार्य करता है।
- निकट भविष्य में, भारतीय नौसेना तीन वाहकों के आसपास एक बल संरचना की कल्पना करते हुए दो विमान वाहक के साथ काम करेगी।
- निर्णय लेने में देरी से वाहक निर्माण और संचालन में भारत की विशेषज्ञता खतरे में है, जो 1980 के दशक की पनडुब्बी पराजय के समान है।

PatriotIAS

- विमान वाहक में वैश्विक रुचि बढ़ रही है, अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, रूस, जापान और चीन जैसे देश अपनी वाहक क्षमताओं का विस्तार कर रहे हैं।
- मिसाइलों और ड्रोनों को लक्षित करने में प्रगति के बावजूद, वैश्विक प्रक्षेपवक्र वाहक विमानन के लिए एक उज्ज्वल भविष्य का सुझाव देता है।

ग्रीन टैक्सोनॉमी फ्रेमवर्क

- हरित वर्गीकरण एक वर्गीकरण प्रणाली है जो यह निर्धारित करने के लिए स्पष्ट मानदंड निर्धारित करती है कि क्या किसी आर्थिक गतिविधि को पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ माना जा सकता है।
- यह व्यवसायों, निवेशकों और नीति निर्माताओं को यह समझने में मदद करने के लिए एक सामान्य भाषा और दिशानिर्देश प्रदान करता है कि कौन से निवेश और परियोजनाएं कम कार्बन, जलवायु-लचीली और टिकाऊ अर्थव्यवस्था में परिवर्तन का समर्थन करती हैं।

हरित वर्गीकरण के मुख्य उद्देश्य:

1. **ग्रीनवॉशिंग से निपटना:** परिभाषित मानकों को पूरा नहीं करने पर निवेश को "हरित" के रूप में गलत लेबल करने से रोककर वास्तविक स्थिरता सुनिश्चित करता है।
2. **निवेश निर्णयों का मार्गदर्शन करना:** निवेशकों और कंपनियों को पर्यावरण के अनुकूल गतिविधियों के लिए धन कहाँ आवंटित किया जाए, इसके बारे में सूचित विकल्प बनाने में मदद करता है।
3. **पारदर्शिता को प्रोत्साहित करना:** पर्यावरणीय डेटा के प्रकटीकरण और निवेश के प्रभाव को बढ़ावा देना, जवाबदेही बढ़ाना।

प्रमुख हरित वर्गीकरण ढाँचे

यहां कुछ सबसे प्रमुख हरित वर्गीकरण हैं:

- **ईयू वर्गीकरण:** यूरोपीय ग्रीन डील लक्ष्यों की दिशा में निवेश का मार्गदर्शन करने वाला एक व्यापक ढांचा। यह छह पर्यावरणीय उद्देश्यों पर केंद्रित है:
  - जलवायु परिवर्तन का शमन
  - जलवायु परिवर्तन अनुकूलन
  - जल और समुद्री संसाधनों का सतत उपयोग और संरक्षण
  - एक चक्रीय अर्थव्यवस्था में परिवर्तन
  - प्रदूषण की रोकथाम एवं नियंत्रण
  - जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र का संरक्षण और बहाली
- **चीन का ग्रीन बॉन्ड समर्थित प्रोजेक्ट कैटलॉग:** ग्रीन बॉन्ड वित्तपोषण के लिए पात्र विशिष्ट परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करने वाली प्रणाली।
- **दुनिया भर में हरित वित्त वर्गीकरण:** कई देश अपनी स्वयं की वर्गीकरण विकसित कर रहे हैं, जैसे यूके, कनाडा, जापान और आसियान क्षेत्र। इन विभिन्न रूपरेखाओं के बीच अंतर्राष्ट्रीय अभिसरण और तुलनीयता को बढ़ावा देने के लिए पहल मौजूद हैं।

ग्रीन टैक्सोनॉमीज़ कैसे काम करती हैं

1. **पर्यावरणीय उद्देश्यों को परिभाषित करना:** वर्गीकरण अपने पर्यावरणीय लक्ष्यों को रेखांकित करता है, जैसे जलवायु परिवर्तन शमन या जैव विविधता संरक्षण।
2. **तकनीकी स्क्रीनिंग मानदंड निर्धारित करना:** प्रत्येक आर्थिक गतिविधि के लिए विस्तृत मानदंड स्थापित किए जाते हैं, यह निर्धारित करते हुए कि यह स्थिरता के लक्ष्यों में कितना योगदान देता है।
3. **"कोई महत्वपूर्ण नुकसान न करें" सिद्धांत:** गतिविधियों से किसी भी अन्य पर्यावरणीय उद्देश्यों को महत्वपूर्ण नुकसान नहीं होना चाहिए।
4. **रिपोर्टिंग और सत्यापन:** कंपनियों और निवेशकों से यह रिपोर्ट करने की अपेक्षा की जाती है कि उनकी गतिविधियाँ वर्गीकरण के साथ कैसे संरेखित होती हैं, जिसमें अक्सर स्वतंत्र सत्यापन शामिल होता है।

हरित वर्गीकरण का महत्व

हरित टैक्सोनॉमी एक अत्यंत महत्वपूर्ण उपकरण बन गई है क्योंकि दुनिया एक स्थायी भविष्य के लिए संक्रमण को वित्तपोषित करना चाहती है। वे इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं:

PatnaticIAS

- **पूंजी जुटाना:** निवेशकों को विश्वास दिलाकर, वर्गीकरण स्थायी परियोजनाओं और गतिविधियों में पूंजी प्रवाह को बढ़ाता है।
- **नीतिगत सामंजस्य का समर्थन:** वे सुनिश्चित करते हैं कि नीतिगत लक्ष्य निवेश स्तर पर टिकाऊ के रूप में परिभाषित किए गए हैं।
- **हरित परिवर्तन को तेज़ करना:** वे स्थिरता के आर्थिक और वित्तीय लाभों को स्पष्ट करके जलवायु परिवर्तन और अन्य पर्यावरणीय संकटों पर कार्रवाई में तेजी लाने में मदद करते हैं।

हिंदुत्व परियोजना जाति की गतिशीलता को कैसे संभालती है (29 अप्रैल)

- भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रधान मंत्री पद के उम्मीदवार नरेंद्र मोदी ने राजनीतिक रूप से प्रगतिशील राज्य केरल में उल्लेखनीय सार्वजनिक उपस्थिति दर्ज की।
- फरवरी 2014 में, मोदी ने परंपरागत रूप से कम्युनिस्ट पार्टियों का समर्थन करने वाले दलित समुदाय पुलायास की एक बैठक को संबोधित किया।
- अप्रैल 2013 में, मोदी केरल के समाज सुधारक श्री नारायण गुरु द्वारा स्थापित शिवगिरी मठ में मुख्य अतिथि थे, जिन्होंने एझावा समुदाय को सामाजिक जागृति का नेतृत्व किया, जो वामपंथ के समर्थक भी थे।
- मोदी ने सामाजिक अस्पृश्यता के अंत के बावजूद राजनीतिक अस्पृश्यता की निरंतरता पर प्रकाश डाला, विभिन्न हलकों से खुद के अलगाव का जिक्र किया।
- उन्होंने अपनी निचली जाति की उत्पत्ति का हवाला देते हुए अगले दशक में दलितों और पिछड़े वर्गों के महत्व पर जोर दिया।
- मुजा में मोदी की रैली बिहार के अरपूर में लोक जनशक्ति पार्टी प्रमुख राम विलास पासवान के साथ दलित नेता उदित राज और पिछड़े वर्ग के नेता रामकृपाल यादव का भाजपा में शामिल होना जातिगत बाधाओं को दूर करने के प्रयासों को दर्शाता है।
- ये घटनाक्रम दलितों और पिछड़े वर्ग के नेताओं के बीच मोदी की बढ़ती स्वीकार्यता का संकेत देते हैं, जिससे भाजपा की व्यापक हिंदू पहचान परियोजना के भीतर जाति का बंधन टूट रहा है।

जातिगत पहचान का मुद्दा

- भारत में हिंदुत्व की राजनीति जातिगत पहचान के कारण धीमी हो गई।
- पिछड़े वर्ग और दलित हिंदुत्व की पदानुक्रमित सामाजिक संरचना से सशंकित हैं।
- डॉ. बीआर अंबेडकर हिंदुत्व के आलोचक थे।
- ऑर्गेनाइज़र के 2013 के लेख में अम्बेडकर को सकारात्मक रूप से चित्रित किया गया है।
- हिंदुत्व की रणनीति में आक्रामक एकीकरण और अयोध्या आंदोलन शामिल है.
- अयोध्या आंदोलन ने हिंदुत्व की लोकप्रियता को बढ़ाया.
- मंडल आयोग की रिपोर्ट से पिछड़े वर्गों की राजनीतिक भागीदारी में वृद्धि हुई।
- बीजेपी ने राज्यों में सत्ता हासिल की, लेकिन गुजरात को छोड़कर हिंदुत्व का दबदबा कायम नहीं हुआ।

PatriotIAS

- चुनावी सवाल: क्या जाति पर हिंदुत्व की जीत होगी? हिंदू एकीकरण को आगे बढ़ाने वाले कारक: अयोध्या आंदोलन, मंडल आयोग का प्रभाव, भाजपा का सत्ता में आना।

मुस्लिम आरक्षण पर बहस

- गुजरात में हिंदुत्व की राजनीति 1980 के दशक में एबीवीपी के हिंसक आरक्षण विरोधी विरोध प्रदर्शन से बढ़ी।
- विरोध प्रदर्शनों ने पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण को लक्षित किया लेकिन ज्यादातर दलित प्रभावित हुए।
- मुसलमानों को "अन्य" के रूप में चित्रित करने और निचली जातियों को उनके खिलाफ एकजुट करने से हिंदुत्व की राजनीति का विस्तार हुआ।
- उत्तर प्रदेश (यूपी) और बिहार में अलग-अलग गतिशीलता है: मजबूत पिछड़ी राजनीति आरक्षण पर आरएसएस पर अविश्वास करती है, मुसलमानों के साथ जुड़ती है।
- कोटा की राजनीति अब निचली जातियों को विभाजित करती है, जो मुस्लिम कोटा को अपने हितों के विरुद्ध मानते हैं।
- मुसलमानों के लिए सकारात्मक कार्रवाई मजबूत होती है, लेकिन हिंदुत्व की राजनीति को फायदा पहुंचाती है।
- यूपी और बिहार में हिंदुत्व के खिलाफ सामाजिक गठबंधन कमजोर हो रहा है.
- यूपी के मुजा में दलितों की भागीदारी अरनगर दंगे और बिहार में यादव-मुस्लिम झड़पें गरीबों और वंचितों के बीच एकजुटता को प्रभावित करती हैं।
- हिंदू पदानुक्रम के भीतर उच्च स्थिति का लक्ष्य रखने वाले निचली जाति के आंदोलन कभी-कभी संस्कृतिकरण की आकांक्षाओं को अपनाते हैं।
- "अन्य" का स्पष्ट चित्रण संस्कृतिकरण की प्रवृत्ति को बढ़ाता है।

नेतृत्व स्वीकार करने की इच्छा

- हिंदुत्व के लिए निचली जातियों का समर्थन बढ़ा।
- ऊंची जातियां शुरू में निचली जाति के नेतृत्व से असहज थीं।
- निर्णायक मोड़: 2005 बिहार विधानसभा चुनाव, भाजपा-जद(यू) गठबंधन और नीतीश कुमार मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार।
- 2007 में, उच्च जातियों ने यूपी में दलित नेता मायावती का समर्थन किया, जो एक बदलाव का प्रतीक था।
- 2010 और 2012 में, इंद्रधनुष जातीय गठबंधन ने क्रमशः बिहार और यूपी में नीतीश कुमार और अखिलेश यादव का समर्थन किया।
- बीजेपी की सफलता के लिए ऊंची जाति के रवैये में बदलाव अहम.
- भाजपा पिछड़े वर्गों और दलितों की नेतृत्व महत्वाकांक्षाओं के प्रति उत्तरदायी है।
- कल्याण सिंह और उमा भारती जैसे नेताओं को ऊंची जातियों का अस्थायी समर्थन।
- संघ के प्रयासों से निचली जातियों और पिछड़े वर्गों को सशक्त बनाया गया।
- 1998 में बीजेपी के पास बड़ी संख्या में एससी और एसटी सांसद थे।
- मोदी के नेता बनने और ऊंची जाति के रवैये में बदलाव के साथ, संघ के प्रयासों को गति मिलती है।

बांग्लादेश के परिधान निर्यातकों ने भारतीय शिपर्स को घेरा (29 अप्रैल)

PatriotICIAS

- तमिलनाडु के अंबूर में एक चमड़े का सामान बनाने वाली कंपनी में लॉजिस्टिक्स के प्रभारी इमरान को यूरोप और अमेरिका में शिपमेंट भेजने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है
- दिल्ली के आईजीआई हवाई अड्डे से होकर आने वाले बांग्लादेश निर्मित परिधान भीड़भाड़ का कारण बन रहे हैं, जिससे भारतीय निर्यातकों के लिए जगह सीमित हो रही है।
- भारत के पास एक व्यापार समझौता है जो बांग्लादेश के सीलबंद निर्यात कार्गो को न्यूनतम जांच के साथ सीधे दिल्ली हवाई अड्डे पर पहुंचने की अनुमति देता है।
- लाल सागर में माल की आवाजाही में भू-राजनीतिक व्यवधानों के कारण बांग्लादेश के परिधान निर्यात को फरवरी 2023 से हवाई मार्ग से दिल्ली के रास्ते भेजा जाएगा, जो पहले कोलकाता के रास्ते होता था।
- भारतीय निर्यातकों को विमान में स्थान पाने में कठिनाई होती है; कभी-कभी प्रीमियम भुगतान से स्थान मिल जाता है।
- अप्रैल से दिसंबर 2023 तक, दिल्ली हवाई अड्डे ने 260,000 टन निर्यात कार्गो संभाला, जिसमें बांग्लादेश का हिस्सा केवल 5,000 टन (2% से कम) था। मार्च 2024 में, बांग्लादेश का हिस्सा बढ़कर 8,000 टन (9%) हो गया, जिससे भीड़भाड़ और हवाई माल ढुलाई दरों में 300% की वृद्धि हुई।
- भारतीय निर्यात संगठनों का महासंघ (फियो) सुधारात्मक उपायों की मांग कर रहा है, जिसमें बांग्लादेशी कार्गो पर "लैंडिंग चार्ज" लगाना, तथा क्षमता बढ़ाने और लागत कम करने के लिए एयरलाइनों और मालवाहक कंपनियों के साथ सहयोग करना शामिल है।
- परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) ने सरकार से दिल्ली एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स के माध्यम से बांग्लादेशी निर्यात कार्गो के ट्रांसशिपमेंट को निलंबित करने का आग्रह किया है, यह दावा करते हुए कि यह स्थानीय उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता को नुकसान पहुंचाता है।
- लंबे समय तक चले लाल सागर संकट के कारण भारतीय निर्यातकों को पहले से ही उच्च माल ढुलाई शुल्क का सामना करना पड़ रहा है, जिससे उन्हें समुद्री मार्ग से हवाई मार्ग पर स्विच करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।
- दिल्ली एयर कार्गो टर्मिनल के माध्यम से बांग्लादेशी निर्यात कार्गो की आवाजाही से भारतीय परिधान निर्यातकों के लिए लॉजिस्टिक चुनौतियां और परिवहन लागत बढ़ गई है।
- प्रतिदिन ढाका से लगभग 30 भरे हुए ट्रक दिल्ली आते हैं, जिससे कार्गो प्रवाह धीमा हो जाता है और कथित तौर पर एयरलाइंस को कीमतें बढ़ाकर लाभ उठाने की अनुमति मिलती है।
- ऊंची हवाई माल ढुलाई दरें भारतीय निर्यातकों के लिए प्रतिस्पर्धात्मकता को कम करती हैं और आईजीआई हवाई अड्डे के कार्गो टर्मिनल पर देरी और भीड़भाड़ का कारण बनती हैं।
- दिल्ली में एयर कार्गो के लिए जगह की कमी अन्य भारतीय हवाई अड्डों को भी प्रभावित करती है, जिससे स्पिलओवर प्रभाव पड़ता है।
- स्वेज नहर तक बाधित पहुंच से भारत सहित एशियाई निर्यात प्रभावित होता है, जिससे हवाई माल ढुलाई दरों में उल्लेखनीय वृद्धि होती है।
- लाल सागर संकट के कारण कार्गो डायवर्जन के कारण एयरलाइनों में बेली स्पेस की कमी के कारण दुनिया भर के हवाई अड्डों पर भीड़भाड़ होती है।

हिजबुल्लाह का कहना है कि उसने इज़राइल पर लाल मिसाइलें दागीं (29 अप्रैल)

- हिजबुल्लाह की स्थापना लेबनानी मौलवियों द्वारा 1982 में लेबनान पर इजरायली आक्रमण से लड़ने के लिए की गई थी।

PathfinderIAS

- इसने 1979 में ईरानी क्रांति के बाद अयातुल्ला खुमैनी के मॉडल को अपनाया और खुमैनी द्वारा इसे "हिजबुल्लाह" नाम दिया गया।
- शुरुआत से ही ईरान और हिज़्बुल्लाह के बीच घनिष्ठ संबंध विकसित हुए।
- हिजबुल्लाह को 1,500 इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) प्रशिक्षकों से समर्थन मिला और दक्षिणी लेबनान पर इजरायली कब्जे का विरोध करने के लिए विभिन्न लेबनानी शिया समूहों को एकजुट किया।
- लेबनानी गृहयुद्ध के दौरान इसके उद्देश्यों में लेबनान से अमेरिकी, फ्रांसीसी और सहयोगी सेनाओं को बाहर निकालना शामिल था।
- 1985 से 2000 तक, हिज़बुल्लाह ने दक्षिण लेबनान सेना (एसएलए) और इज़राइल रक्षा बलों (आईडीएफ) के खिलाफ दक्षिण लेबनान संघर्ष और 2006 के लेबनान युद्ध में भाग लिया।
- 1990 के दशक के दौरान, हिजबुल्लाह ने बोस्नियाई युद्ध के दौरान बोस्निया और हर्जेगोविना गणराज्य की सेना के लिए लड़ने के लिए स्वयंसेवकों को संगठित किया।

- लेबनान में ईरान समर्थित आंदोलन हिजबुल्लाह ने उत्तरी इज़राइल को निशाना बनाया।
- यह कार्रवाई सीमा पार इजरायली हमलों में दो हिजबुल्लाह सदस्यों सहित तीन लोगों की मौत के बाद हुई।
- हिजबुल्लाह ने अल मनारा सैन्य कमान मुख्यालय और इजरायली बलों की एक सभा पर विस्फोटक ड्रोन और निर्देशित मिसाइलों का उपयोग करके एक जटिल हमला किया।
- इज़रायली सेना की आयरन डोम वायु-रक्षा प्रणाली ने लेबनान से इज़रायल के मनारा क्षेत्र में प्रवेश करने वाले एक संदिग्ध हवाई लक्ष्य को रोक दिया।

विश्व आर्थिक मंच

- **परिभाषा:** विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) एक अंतरराष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठन है जो सरकार, व्यापार और नागरिक समाज के शीर्ष लोगों के बीच संवाद की सुविधा प्रदान करता है। इसका मिशन सार्वजनिक-निजी सहयोग के माध्यम से दुनिया को बेहतर बनाना है।
- **स्थापित:** 1971 में क्लॉस श्वाब द्वारा कोलोनी, स्विट्जरलैंड में
- **मुख्यालय:** कोलोनी, स्विट्जरलैंड
- **नेतृत्व:**
  - क्लॉस श्वाब, संस्थापक और कार्यकारी अध्यक्ष
  - बोर्गे ब्रेंडे, राष्ट्रपति

प्रमुख गतिविधियां

- **दावोस में वार्षिक बैठक:** स्विट्जरलैंड के दावोस में होने वाली हाई-प्रोफाइल वार्षिक बैठक संगठन का प्रमुख कार्यक्रम है। यह वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए राजनीति, व्यवसाय, शिक्षा और नागरिक समाज के विश्व नेताओं का एक जमावड़ा है।
- **क्षेत्रीय और उद्योग बैठकें:** WEF पूरे वर्ष विशिष्ट क्षेत्रों या उद्योगों पर केंद्रित कई कार्यक्रम आयोजित करता है।
- **पहल और मंच:** फोरम निम्नलिखित मुद्दों पर केंद्रित विभिन्न पहल और मंचों को लॉन्च और प्रबंधित करता है:
  - जलवायु परिवर्तन
  - चौथी औद्योगिक क्रांति (एआई जैसी प्रौद्योगिकियाँ)
  - वैश्विक स्वास्थ्य
  - आर्थिक विकास

यह काम किस प्रकार करता है

- **सदस्यता मॉडल:** कंपनियां WEF की सदस्य बनती हैं, जो इसकी गतिविधियों के लिए धन का प्राथमिक स्रोत प्रदान करती हैं।
- **साझेदारी:** WEF सरकारों, अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और नागरिक समाज समूहों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग करता है।

PatriotICIAS

- **"दावोस की भावना":** फोरम एक सहयोगात्मक, बहु-हितधारक दृष्टिकोण पर जोर देता है जिसे वे "दावोस की भावना" कहते हैं, जहां विविध कलाकार समाधान खोजने के लिए मिलकर काम करते हैं।

प्रारंभिक अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1: इंडियन ईस्टर्नली जेट (IEJ) के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं? 1. यह पश्चिम से पूर्व की ओर बहने वाली उच्च ऊंचाई वाली हवाओं की एक संकीर्ण पट्टी है। 2. यह मुख्यतः सर्दी के मौसम में पाया जाता है। 3. यह भारतीय ग्रीष्मकालीन मानसून में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके उत्तर चुनें: एक। केवल 1 बी। केवल 2 और 3 सी। केवल 1 और 3 डी। 1, 2, और 3	उत्तर: सी. केवल 1 और 3 **स्पष्टीकरण:** कथन 1 सही है: IEJ पूर्व की ओर बहने वाली हवाओं का एक उच्च ऊंचाई वाला, संकीर्ण बैंड है। कथन 2 गलत है: IEJ मुख्य रूप से गर्मी के मौसम (जून-सितंबर) में पाया जाता है। कथन 3 सही है: यह भारतीय ग्रीष्मकालीन मानसून की शुरुआत और प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
प्रश्न 2: निम्नलिखित पर विचार करें: 1. उपोष्णकटिबंधीय पश्चिमी जेट 2. भारतीय पूर्वी जेट उपरोक्त में से कौन सी जेट स्ट्रीम भारत पर पश्चिमी विक्षोभ लाती है? विकल्प: एक। केवल 1 बी। केवल 2 सी। 1 और 2 दोनों डी। न 1 न 2	उत्तर: ए. केवल 1 **स्पष्टीकरण:** उपोष्णकटिबंधीय वेस्टरली जेट (पश्चिम से पूर्व की ओर बहती है) पश्चिमी विक्षोभ (अतिरिक्त उष्णकटिबंधीय चक्रवात) लाने के लिए जिम्मेदार है जो उत्तर-पश्चिमी भारत में शीतकालीन वर्षा का कारण बनता है। पश्चिमी विक्षोभ में भारतीय ईस्टरली जेट की कोई सीधी भूमिका नहीं है।
प्रश्न 3: भारतीय ईस्टरली जेट आमतौर पर पाया जा सकता है: विकल्प: एक। भूमध्यरेखीय क्षेत्र के पास बी। सम्पूर्ण मध्य अक्षांशों में सी। उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र के ऊपर डी। ध्रुवीय क्षेत्र में	उत्तर: सी. उपोष्णकटिबंधीय पर **स्पष्टीकरण:** IEJ एक उपोष्णकटिबंधीय जेट स्ट्रीम है, जो आमतौर पर भारत में 10-15 डिग्री उत्तरी अक्षांश के बीच पाई जाती है।
प्रश्न 4: आईएनएस विक्रांत के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें: 1. यह भारत का पहला स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित विमानवाहक पोत है। 2. यह विमान प्रक्षेपण और पुनर्प्राप्ति के लिए CATOBAR प्रणाली का उपयोग करता है। उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं? (ए) केवल 1 (बी) केवल 2 (सी) 1 और 2 दोनों (डी) न तो 1 और न ही 2	उत्तर: (ए) केवल 1 **स्पष्टीकरण:** कथन 1 सही है. आईएनएस विक्रांत भारत के रक्षा उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है। कथन 2 गलत है. आईएनएस विक्रांत एक STOBAR (शॉर्ट टेक-ऑफ बट अरेस्टेड रिकवरी) प्रणाली का उपयोग करता है। CATOBAR (कैटापल्ट असिस्टेड टेक-ऑफ बट अरेस्टेड रिकवरी) कुछ अमेरिकी विमान वाहकों पर पाई जाने वाली एक अधिक उन्नत तकनीक है।
प्रश्न 5: निम्नलिखित में से कौन सी विशेषता आईएनएस विक्रांत से जुड़ी है/हैं?	उत्तर: (डी) 1, 2, और 3

PatriotIAS

1. लगभग 45,000 टन का विस्थापन 2. अधिकतम गति लगभग 28 समुद्री मील 3. रोटरी-विंग और फिक्स्ड-विंग विमान का मिश्रण ले जा सकता है (ए) केवल 1 और 2 (बी) केवल 2 और 3 (सी) केवल 1 और 3 (डी) 1, 2, और 3	**स्पष्टीकरण:** तीनों विशेषताएं आईएनएस विक्रांत की सटीक विशेषताएं हैं।
प्रश्न 6: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें: (1) यह भारत की समुद्री शक्ति प्रक्षेपण क्षमताओं को बढ़ाता है। (2) यह 'मेक इन इंडिया' पहल का एक प्रमुख प्रतीक है। (3) यह हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में भारत की स्थिति को मजबूत करता है। भारत के लिए आईएनएस विक्रमन के महत्व के संबंध में उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं/हैं: एक। केवल एक बी। केवल दो सी। तीनों डी। कोई नहीं	उत्तर: (डी) उपरोक्त सभी **स्पष्टीकरण:** आईएनएस विक्रांत भारत के लिए कई स्तरों पर महत्वपूर्ण है। यह देश की नौसैनिक शक्ति को बढ़ावा देता है, भारत की बढ़ती तकनीकी और औद्योगिक क्षमताओं को प्रदर्शित करता है और आईओआर में भारत की रणनीतिक भूमिका को मजबूत करता है।
प्रश्न 7: निम्नलिखित में से कौन सा ई-श्रम पोर्टल का प्राथमिक उद्देश्य है? (ए) ग्रामीण भारत में रोजगार के अवसर प्रदान करना (बी) असंगठित श्रमिकों का एक राष्ट्रीय डेटाबेस बनाना (सी) शहरी कार्यबल को कुशल बनाना और उन्नत करना (डी) कृषि क्षेत्र को व्यवस्थित करना	उत्तर: (बी) **स्पष्टीकरण:** ई-श्रम पोर्टल का प्राथमिक उद्देश्य भारत के विशाल असंगठित कार्यबल का एक व्यापक डेटाबेस बनाना है, जो श्रमिकों और सरकारी कल्याण योजनाओं के बीच अंतर को पाटने में मदद करेगा।
प्रश्न 8: ई-श्रम पोर्टल भारत सरकार के किस मंत्रालय द्वारा शुरू की गई एक पहल है? (ए) कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (बी) श्रम और रोजगार मंत्रालय (सी) इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (डी) ग्रामीण विकास मंत्रालय	उत्तर: (बी) **स्पष्टीकरण:** ई-श्रम पोर्टल असंगठित श्रमिकों को दिए जाने वाले लाभों को सुव्यवस्थित और व्यवस्थित करने के लिए श्रम और रोजगार मंत्रालय की एक पहल है।
प्रश्न 9: निम्नलिखित में से कौन सी श्रेणी के श्रमिक ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण के लिए पात्र नहीं हैं? (ए) निर्माण श्रमिक (बी) घरेलू कामगार (सी) स्ट्रीट वेंडर (डी) ईपीएफओ सदस्यता वाले सरकारी कर्मचारी	उत्तर: (डी) **स्पष्टीकरण:** ई-श्रम पोर्टल विशेष रूप से असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की आवश्यकताओं को पूरा करता है। सरकारी कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के सदस्य हैं, संगठित क्षेत्र का हिस्सा हैं और ई-श्रम पंजीकरण के लिए पात्र नहीं हैं।
प्रश्न 10: ई-श्रम पोर्टल के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें: 1. भारत में सभी श्रमिकों के लिए पोर्टल पर पंजीकरण अनिवार्य है। 2. पंजीकृत श्रमिक दुर्घटना बीमा कवरेज के लिए पात्र हैं। उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं? (ए) केवल 1 (बी) केवल 2	उत्तर: (बी) **स्पष्टीकरण:** ई-श्रम पर पंजीकरण स्वैच्छिक है लेकिन अत्यधिक फायदेमंद है। पंजीकृत श्रमिक प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) के तहत दुर्घटना बीमा कवरेज के लिए पात्र हैं।

PatriotiCIAS

(सी) 1 और 2 दोनों (डी) न तो 1 और न ही 2	
प्रश्न 11: विश्व आर्थिक मंच का मुख्यालय कहाँ है: ए. कोलोनी, स्विट्जरलैंड बी. न्यूयॉर्क, यूएसए सी. दावोस, स्विट्जरलैंड डी. पेरिस, फ्रांस	उत्तर: ए. कोलोनी, स्विट्जरलैंड **स्पष्टीकरण:** विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) एक अंतरराष्ट्रीय गैर-लाभकारी संगठन है जिसका मुख्यालय स्विट्जरलैंड के जिनेवा के उपनगर कोलोनी में स्थित है।
प्रश्न 12: निम्नलिखित में से कौन सी रिपोर्ट विश्व आर्थिक मंच द्वारा प्रतिवर्ष प्रकाशित की जाती है? ए. विश्व विकास रिपोर्ट बी. मानव विकास रिपोर्ट सी. विश्व निवेश रिपोर्ट डी. वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता रिपोर्ट	उत्तर: D. वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता रिपोर्ट **व्याख्या:** वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता रिपोर्ट WEF द्वारा प्रकाशित एक प्रमुख वार्षिक रिपोर्ट है जो दुनिया भर के देशों के प्रतिस्पर्धात्मकता परिदृश्य का आकलन करती है। विभिन्न संगठनों द्वारा प्रकाशित अन्य प्रमुख रिपोर्ट **में शामिल हैं:** विश्व विकास रिपोर्ट: विश्व बैंक द्वारा प्रकाशित मानव विकास रिपोर्ट: संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) द्वारा प्रकाशित विश्व निवेश रिपोर्ट: संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन (यूएनसीटीएडी) द्वारा प्रकाशित
प्रश्न 13: विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक प्रसिद्ध रूप से कहां आयोजित होती है? ए. न्यूयॉर्क, यूएसए बी. दावोस, स्विटजरलैंड C. जिनेवा, स्विटजरलैंड D. लंदन, यूके	उत्तर: बी. दावोस, स्विटजरलैंड **स्पष्टीकरण:** WEF की वार्षिक बैठक स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित एक हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम है। यह वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए विश्व के नेताओं, सीईओ, नीति निर्माताओं और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को एक साथ लाता है।
प्रश्न 14: निम्नलिखित में से कौन विश्व आर्थिक मंच द्वारा शुरू की गई एक प्रमुख पहल है? A. पेरिस समझौता बी. बेल्ट एंड रोड पहल सी. महान रीसेट डी. दोहा विकास दौर	उत्तर: सी. द ग्रेट रीसेट **स्पष्टीकरण:** द ग्रेट रीसेट 2020 में शुरू की गई एक WEF पहल है। इसका उद्देश्य COVID-19 महामारी के बाद वैश्विक सामाजिक आर्थिक प्रणाली को अधिक टिकाऊ और न्यायसंगत तरीके से पुनर्निर्माण करना है। अन्य विकल्प अलग-अलग पहल हैं:
प्रश्न 15: विश्व आर्थिक मंच मुख्य रूप से निम्नलिखित में से किस पर केंद्रित है? A. मुक्त व्यापार और वैश्वीकरण को बढ़ावा देना B. गरीबी और भुखमरी मिटाना C. अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कानून लागू करना D. सार्वजनिक-निजी सहयोग के माध्यम से विश्व की स्थिति में सुधार करना	उत्तर: D. सार्वजनिक-निजी सहयोग के माध्यम से विश्व की स्थिति में सुधार करना **स्पष्टीकरण:** विश्व आर्थिक मंच का प्राथमिक ध्यान वैश्विक चुनौतियों से निपटने और बेहतर भविष्य को आकार देने के लिए सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के बीच संवाद और सहयोग को बढ़ावा देना है।
प्रश्न 16: राष्ट्रीय फ्लोर लेवल न्यूनतम वेतन (NFLMW) के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं? 1. इसे लागू करना सभी राज्यों के लिए एक वैधानिक आवश्यकता है। 2. इसे केंद्र सरकार द्वारा समय-समय पर संशोधित किया जाता है। (ए) केवल 1 (बी) केवल 2 (सी) 1 और 2 दोनों	उत्तर: (बी) केवल 2 **स्पष्टीकरण:** कथन 1 गलत है. एनएफएलएमडब्ल्यू एक सिफारिश है, राज्यों के लिए कोई कानूनी आदेश नहीं। कथन 2 सही है. केंद्र सरकार समय-समय पर एनएफएलएमडब्ल्यू को संशोधित करती रहती है।

PatriotIAS

(डी) न तो 1 और न ही 2	
प्रश्न 17: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें: 1. भारत में न्यूनतम वेतन सभी राज्यों और क्षेत्रों में समान है। 2. राष्ट्रीय फ्लोर लेवल न्यूनतम वेतन का उद्देश्य देश भर में वेतन असमानताओं को कम करना है। उपरोक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं? (ए) केवल 1 (बी) केवल 2 (सी) 1 और 2 दोनों (डी) न तो 1 और न ही 2	उत्तर: (बी) केवल 2 **स्पष्टीकरण:** कथन 1 गलत है. भारत में राज्यों और क्षेत्रों में न्यूनतम मजदूरी अलग-अलग है। कथन 2 सही है. एनएफएलएमडब्ल्यू का लक्ष्य देश भर में अधिक समान वेतन संरचना बनाना है।
प्रश्न 19: भारत में न्यूनतम मजदूरी तय करने और संशोधित करने की शक्ति किसके पास है: (ए) केवल केंद्र सरकार (बी) केवल राज्य सरकारें (सी) केंद्र और राज्य दोनों सरकारें (डी) भारत का सर्वोच्च न्यायालय	उत्तर: (सी) केंद्र और राज्य दोनों सरकारें **स्पष्टीकरण:** भारत में न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 के तहत न्यूनतम मजदूरी के लिए 'दोहरी प्रणाली' है। केंद्र और राज्य दोनों के पास अपने संबंधित अधिकार क्षेत्र के भीतर 'अनुसूचित रोजगार' के लिए न्यूनतम मजदूरी निर्धारित करने का अधिकार है।

PatrioticIAS